इक्फाई विश्वविद्यालय में पूर्वर्ती छात्रो का मिलन समारोह आयोजित

दबंग हिन्द,रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के पूर्व छात्रों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा एक बैठक समारोह आयोजित की गई।इस समारोह में न केवल झारखंड बल्कि अगरतला, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, मुंबई, पटना, पुणे आदि जैसे दूर-दराज के स्थानों से 140 से अधिक पूर्व छात्रों ने व्यक्तिगत रूप से पूर्व छात्रों की बैठक में भाग लिया।पूर्व छात्रों ने विश्वविद्यालय में अपने प्रवास की सुखद यादों को याद किया और स्नातक होने के बाद अपनी पेशेवर यात्रा साझा की।सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद कई टीम गेम्स का आयोजन किया गया।

पूर्व छात्रों को संबोधित करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. टी आर के राव ने उन्हें अपने मातृसंस्था के साथ निकटता से जुड़े रहने और विश्वविद्यालय के विकास में योगदान करने की सलाह दी।

पूर्व छात्रों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने खुशी व्यक्त की, कि विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र आईटी (एक्सेंचर, अमेजॅन, कॉग्निजेंट, गूगल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, आईबीएम, टीसीएस, विप्रो आदि), बैंक (एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक आदि), एफएमसीजी (एशियन पेंट्स, ब्रिटानिया, आईटीसी आदि), रिटेल (रिलायंस, शॉपर्स स्टॉप आदि), टेलीकॉम (भारती एयरटेल, आइडिया, रिलायंस जियो, वोडाफोन आदि)), एडटेक (बायजस, एक्स्ट्रामार्क्स, वेदांतु आदि), खनन (सीसीएल, ईसीएल आदि) और सरकार (झारखंड सरकार-रिमोट सेंसिंग विभाग और साइबर सुरक्षा विभाग आदि) जैसे विविध क्षेत्रों में प्रतिष्ठित संगठनों में काम कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कई पूर्व छात्रों ने नवीन क्षेत्रों में अपने स्वयं के व्यवसाय उद्यम शुरू किए, जबकि कुछ छात्रों ने आईआईटी, एनआईटी, आईआईएम आदि जैसे प्रमुख संस्थानों में उच्च अध्ययन किया।उन्होंने छात्रों को समाज के उत्थान के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न सामाजिक आउटरीच पहलों में विश्वविद्यालय के साथ काम करने की सलाह दी।

पूर्व छात्रों को संबोधित करते हुए, कुलसचिव प्रोफेसर अरविंद कुमार ने उन्हें विश्वविद्यालय के छात्रों को करियर बनाने की सलाह देने के लिए प्रोत्साहित किया।

डॉ पृथा चतुर्वेदी, डॉ बिजोया गांगुली और प्रो सुमित सिन्हा सहित विश्वविद्यालय के कई संकाय सदस्य पूर्व छात्रों का पता लगाने और बैठक के आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर आकृति गुप्ता ने किया।